ॐ

~~~~~~~~~~

विद्या भवन,बालिका विद्यापीठ,लखीसराय ।

कक्षा-नवम् ***विषय- हिन्दी***

दिनांक-09-02-2021

卐 सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामया 卐

मेरे प्यारे बच्चों, शुभ प्रभात!

आपका हर दिन खुशियों से भरा हो!

एन सी इ आर टी पर आधारित

प्रश्न - मृदुला गर्ग का मूलनाम क्या था?

उत्तर- मृदुला गर्ग का मूलनाम उमा था।

मृदुला गर्ग का मूलनाम उमा था।

प्रश्न- मृदुला गर्ग के भाई और बहन का नाम लिखिए।

उत्तर- मृदुला गर्ग की बहन का नाम मंजुल भगत (रानी), चित्रा (गौरी), रेणु और अचला है जबकि भाई का नाम राजीव है।

प्रश्न -मृदुला गर्ग का मूलनाम क्या था?

उत्तर- मृदुला गर्ग का मूलनाम उमा था।

उत्तर- मृदुला गर्ग का जन्म 25 अक्टूबर 1938 को कोलकाता में हुआ था।

प्रश्न- 'मेरे संग की औरतें' पाठ में लेखिका के नाना नानी से किस प्रकार भिन्न थे?

उत्तर- 'मेरे संग की औरतें' पाठ में लेखिका की नानी अनपढ़' पर्दा करने वाली और परंपरावादी औरत थी जबकि लेखिका के नाना विलायत से बैरिस्टरी पढ़कर आए हुए अंग्रेजों के प्रशंसक थे।

प्रश्न- 'मेरे संग की औरतें' पाठ में लेखिका आजादी के जश्न में क्यों नहीं शामिल हो सकी?

उत्तर- देश को 15 अगस्त 1947 को आजादी मिली। चारों तरफ देश की आजादी के जश्न का वातावरण छाया हुआ था। दुर्भाग्य से इसी समय लेखिका टाइफाइड बुखार से ग्रसित थी जिस कारण वह जश्न में शामिल नहीं हो सकी।

प्रश्न- 'मेरे संग की औरतें' पाठ में लेखिका के परिवार में कौन-कौन किस-किस नाम से साहित्य रचना करता था?

उत्तर**- लेखिका के परिवार में उसकी बड़ी बहन रानी 'मंजुल भगत' के नाम से, लेखिका जिसका नाम उमा था 'मृदुला गर्ग के नाम से, सबसे छोटी बहन अचला नाम से, और सबसे छोटा भाई राजीव नाम से साहित्य रचना करते थे।**

प्रश्न - मेरे संग की औरतें' पाठ में परिवार के कितने सदस्य साहित्य रचना करते थे?

उत्तर- मेरे संग की औरतें पाठ में परिवार के कुल चार सदस्य लेखन कार्य या साहित्य रचना करते थे।

धन्यवाद ।

कुमारी पिंकी 'कुसुम'